कोलेटरल पर गलत जानकारी

एक्सचेंज ने पाया कि कुछ क्लाइंटों के आंकड़ों की जानकारी नहीं दी गई

सचिन मामपट्टा
मुंबई, 25 जुलाई

ब्रोकरेज फर्में अक्सर अपने क्लाइंटों के कोलेटरल की गलत जानकारी साझा कर रहे हैं, जो स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग के दौरान वे ब्रोकरेज के पास बनाए रखते हैं।

नैशनल स्टॉक एक्सचेंज ने पाया है कि ब्रोकरेज फर्मों की तरफ से जिस कोलेटरल की जानकारी दी जा रही है वहां कई तरह की गड़बड़ी है। इनमें एक ही आंकड़ों के कई फाइल अपलोड करना, विभिन्न क्षेत्रों में परिचालन के आधार पर छोटी-छोटी जानकारी मुहैया न कराना और कुछ मामलों में कुछ निश्चित क्लाइंटों के आंकड़ों की रिपोर्टिंग नहीं करना शामिल है।

अगर शेयर बाजार की चाल ट्रेडर के उलट होती है तो कोलेटरल का इस्तेमाल पूंजी की जरूरतों को पूरा करने में होता है। यह ब्रोकरेज को क्लाइंट की तरफ से किसी तरह की चूक से सुरक्षा प्रदान करता है क्योंकि कोलेटरल का इस्तेमाल कमी की भरपाई में हो सकता है। यह बाजार में सेटलमेंट से जुड़े मसलों को टालने में भी मदद करता है। स्टॉक एक्सचेंज ने ब्रोकरेज फर्मों को बताया है कि एक्सचेंज ब्रोकरों के इस आंकड़े का इस्तेमाल बाजार की प्रभावी निगरानी में करता है।

खुलासा हुआ

- एनएसई ने पाया कि ब्रोकरेज फर्मों की तरफ से कोलेटरल की जानकारी दी जा रही है वहां कई तरह की गड़बड़ी है
- शेयर बाजार की चाल ट्रेडर के उलट होती है तो कोलेटरल का इस्तेमाल पूंजी की जरूरतों को पूरा करने में होता है

देसी ब्रोकरेज फर्म के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, कोलेटरल के संग्रह को लेकर जानबूझकर अस्पष्टता छोटी कंपनियों तक सीमित रखी जानी चाहिए, न कि काफी बड़ी फर्मों तक, जो अभी अपने क्लाइंट आधार के कारण बढ़ती जांच के दायरे में हैं।

उन्होंने कहा, बड़ी ब्रोकिंग फर्मों को अब ज्यादा सावधान रहना होगा। पारंपरिक दलाल स्ट्रीट ब्रोकरेज के प्रमुख ने कहा, कुछ छोटी इकाइयों ने शायद नासमझी में कुछ गलतियां होंगी। ये जानबूझकर नहीं किए गए होंगे। बाजार नियामक सेबी ने क्लाइंटों के कोलेटरल और उसके प्रबंधन को लेकर सख्ती बरत रहा है। बाजार में लिवरेज घटाने के अतिरिक्त नियामक ने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाया है कि क्लाइंटों के फंडों का ब्रोकरेज दुरुपयोग न करे क्योंकि हाल के वर्षों में कई ब्रोकरों ने चूक की है। नियामक ने ब्रोकरेज फर्मों को रोजाना आधार पर, क्लाइंटों के आधार पर (परिसंपत्तियों के ब्रेकअप समेत) कोलेटरल का खुलासा अनिवार्य किया था। यह जुलाई 2021 में प्रभावी हुआ। नियामक ने मई 2022 से यह भी सुनिश्चित किया कि क्लाइंटों के फंड का इस्तेमाल सेटलमेंट की देनदारी में ही किया जाए।

ब्रोकरेज फर्में अभी भी क्लाइंटों के फंड तक पहुंच रखती हैं और यह जानकारी जून 2023 में सेबी की बोर्ड बैठक की विस्तृत जानकारी से मिली। इसमें कहा गया है कि ये फंड बैंकों के पास फिक्स्ड डिपॉजिट के तौर पर रखे गए हैं। इसका इस्तेमाल स्टॉक ब्रोकर कोलेटरल के तौर पर करते हैं। कुछ फर्में इसका इस्तेमाल फिक्स्ड डिपॉजिट रिसीट्स से ज्यादा की बैंक गारंटी में करती हैं।

बोर्ड बैठक के दस्तावेज से पता चलता है कि बैंक क्लाइंटों के फंड वाले एफडीआर व अन्य खाता शेष के आधार पर ब्रोकरों को अन्य फंडेड व गैर-फंडेड सुविधा देता है। इसके साथ ही इकोसिस्टम में क्लाइंटों के फंड के दुरुपयोग का बड़ा जोखिम है।

रेटिंग एजेंसी इक्रा की फरवरी 2023 की रिपोर्ट के मुताबिक, कोलेटरल को लेकर सख्ती से ब्रोकरेज की फ्लोट इनकम में कमी की आशंका है। फ्लोट का इस्तेमाल क्लाइंटों के बिना इस्तेमाल वाले फंडों के लिए किया जाता है। बिना इस्तेमाल वाली पूंजी पर कम ब्याज आय से ब्रोकरेज फर्में अपना शुल्क बढ़ा सकती हैं, जिससे बड़ी कंपनियों के हक में एकीकरण हो सकता है। इक्रा की रिपोर्ट में ये बातें कही गई है।

सूचकांक प्रदाताओं का नियमन टला

पृष्ठ 1 का शेष

फिलहाल अधिकतर सूचकांक प्रदाता सूचकांक गठन के अपने तरीके का सार्वजनिक खुलासा करते हैं। मगर वे कुछ हद तक अपनी मर्जी भी चलाते हैं। आम तौर पर किसी शेयर को शामिल करने या उसे सूचकांक से हटाने या उसका भारांश बदलने का शेयर भाव पर काफी अधिक असर देखने को मिलता है।

टीएएस लॉ में एसोसिएट कंजनी शर्मा ने कहा, 'सूचकांक प्रदाताओं की मर्जी अधिक चले तो प्रशासन एवं संचालन में हितों के टकराव की आशंका बढ़ती है। संवेदनशील जानकारी की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाली नीतियां ठीक से लागू नहीं किए जाने की आशंका भी बनी रहती है। इसलिए इन्हें जवाबदेह बनाने के लिए नियामकीय ढांचे की जरूरत है। अभी ये सेबी के दायरे में बाहर हैं।'

कॉरपोरेट प्रोफेशनल्स एडवाइजर्स ऐंड एडवोकेट्स में एसोसिएट पार्टनर रवि प्रकाश ने कहा, 'प्रस्तावित ढांचा व्यापक स्तर पर काम करेगा। मगर बाद में नियामक को इसकी सूक्ष्म स्तर पर वैसी ही जांच करनी होगी, जैसी वह भारतीय बाजार में कंपनियों की करता है।'

टाटा मोटर्स की आय 42 फीसदी बढ़ी

पृष्ठ 1 का शेष

मगर थोक बिक्री और मुनाफा कमाने की क्षमता पिछली तिमाहियों जैसी ही रहेगी।' जेएलआर को 1.85 लाख वाहनों के ऑर्डर मिले हैं। वाणिज्यिक वाहन कारोबार की बात करें तो बीएस6 के दूसरे चरण के कारण तिमाही के दौरान अप्रैल-जून 2022 से 15 फीसदी कम वाहन बिके। वाणिज्यिक वाहन इकाई की आय 4.4 फीसदी बढ़ गई।

टाटा मोटर्स बंद करेगी डीवीआर कार्यक्रम

समी मोडक
मुंबई, 25 जुलाई

टाटा मोटर्स ने मंगलवार को ऐलान किया कि वह डिफरेंशियल वोटिंग राइट्स (डीवीआर) या ए-शेयर कार्यक्रम समाप्त करेगी। इस तरह से कंपनी रकम जुटाने वाली नवोन्मेषी प्रतिभूति समाप्त कर रही है, जो दलाल पथ पर कामयाब नहीं हो पाया। वाहन कंपनी के निदेशक मंडल ने योजना को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत हर 10 ए-शेयर के बदले कंपनी के सात सामान्य शेयर जारी किए जाएंगे और सभी ए-शेयर रद्द हो जाएंगे।

इस प्रस्ताव पर शेयरधारकों की मंजूरी ली जानी है और यह प्रस्ताव कंपनी के पूंजी ढांचे के सरलीकरण और एकीकरण के इरादे से लाया गया है। इस साल टाटा मोटर्स ने न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध अमेरिकी डिपॉजिटरी रिसीट्स को असूचीबद्ध करा लिया था। डीवीआर में सामान्य शेयरों के मुकाबले मतदान का अधिकार महज 10 फीसदी होता है, लेकिन वह 5 फीसदी ज्यादा लाभांश का हकदार होता है। हालांकि टाटा मोटर्स की तरफ से कम लाभांश देने के इतिहास को देखते हुए डीवीआर की ट्रेडिंग हमेशा से ही सामान्य शेयरों के मुकाबले कम पर हुई है।

टाटा मोटर्स का सामान्य शेयर 1.6 फीसदी चढ़कर 639 रुपये पर बंद हुआ जबकि डीवीआर 4.3 फीसदी की बढ़त के साथ 373 रुपये पर टिका।

टाटा मोटर्स ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, कंपनी का डीवीआर यानी ए-शेयर अभी सामान्य शेयरों के मुकाबले 43 फीसदी छूट पर ट्रेड कर रहा है।

लाखों लोग मुथूट फाइनान्स से गोल्ड लोन लेकर अपनी खुशियों को पूरा कर रहें हैं

हमसे गोल्ड लोन लीजिये, हर खुशी को पूरा कीजिये

INDIA'S #1 MOST TRUSTED FINANCIAL SERVICES BRAND 2023#

5840+ शाखाएं*

2.5 लाख+ ग्राहकों की रोज़ाना सेवा

Gold Loan@Home गोल्ड लोन पायें घर बैठे-बैठे

#Power of Trust TRA's Brand Trust Report *मुथूट फाईनान्स एवं उसकी सब्सिडियरी कंपनियां। **शर्तें लागू।

GOLD milligram rewards** कोई भी ट्रांज़ेक्शन या रेफर करने पर पायें 24 ct सोना

1800 313 1212
muthootfinance.com

Muthoot Family - 800 years of Business Legacy

30 जून, 2023 को समाप्त तिमाही के समेकित अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों के विवरण का सारांश

(रु. लाख में)

क्र. सं.	विवरण	समेकित		
		30-06-2023 को समाप्त तिमाही हेतु	31-03-2023 को समाप्त वर्ष हेतु	30-06-2022 को समाप्त तिमाही हेतु
		अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित
1.	परिचालनों से कुल आय	14,412	70,507	15,450
2.	अवधि हेतु निवल लाभ (कर एवं आपवादिक मदों से पूर्व)	(173)	2,987	931
3.	अवधि हेतु निवल लाभ (कर पूर्व व आपवादिक मदों के उपरांत)	(173)	2,987	931
4.	अवधि हेतु निवल लाभ (कर उपरांत व आपवादिक मदों के उपरांत)	(131)	2,248	700
5.	अवधि हेतु कुल व्यापक आय (कर उपरांत अवधि हेतु लाभ तथा कर उपरांत अन्य व्यापक आय से समाविष्ट)	(126)	2,264	712
6.	प्रदत्त समता अंश पूंजी (रु. 10/– प्रत्येक का अंकित मूल्य)	1,449	1,449	1,444
7.	आरक्षितियां (पुनर्मूल्यांकन आरक्षित को छोड़कर) पूर्ववर्ती वर्ष के लेखापरीक्षित तुलन–पत्र में निदर्शितानुसार	–	29,576	–
8.	आय प्रति अंश (रु. 10/– प्रत्येक का) (परिचालनरत् एवं अपरिचालित परिचालनों हेतु) (अवार्षिकीकृत)			
	क) मूलभूत (राशि रु. में)	(0.90)	15.56	4.85
	ख) तरलीकृत (राशि रु. में)	(0.90)	15.29	4.75

टिप्पणियां :

1. कंपनी का एकल अलेखापरीक्षित वित्तीय प्रदर्शन निम्नानुसार है :

(रु. लाख में)

क्र. सं.	विवरण	एकल		
		30-06-2023 को समाप्त तिमाही हेतु	31-03-2023 को समाप्त वर्ष हेतु	30-06-2022 को समाप्त तिमाही हेतु
		अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित
1.	परिचालनों से कुल आय	14,412	70,507	15,450
2.	अवधि हेतु निवल लाभ (कर एवं आपवादिक मदों से पूर्व)	(180)	2,912	908
3.	अवधि हेतु निवल लाभ (कर उपरांत व आपवादिक मदों के उपरांत)	(138)	2,173	677
4.	अवधि हेतु कुल व्यापक आय (कर उपरांत अवधि हेतु लाभ तथा कर उपरांत अन्य व्यापक आय से समाविष्ट)	(133)	2,189	689

2. उपरोक्त परिणामों की समीक्षा एवं संस्तुति, लेखापरीक्षण समिति द्वारा की गई थी तथा निदेशक मंडल द्वारा 25 जुलाई 2023 को आयोजित अपनी संबंधित बैठक में इनका अनुमोदन किया गया। दिनांक 30 जून, 2023 को समाप्त तिमाही के वित्तीय परिणामों की कंपनी के सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा सीमित समीक्षा की गयी है।
3. उपरोक्त, सेबी (सूचीकरण दायित्व एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियमावली 2015 के विनियम 33 के अंतर्गत स्टॉक एक्सचेंजों के पास फाइलबद्ध त्रैमासिक/वार्षिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक सारांश हैं। त्रैमासिक वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप, स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइटों बीएसई **(www.bseindia.com)** पर एवं एनएसई **(www.nseindia.com)** तथा कंपनी की वेबसाइट **(https://www.orientbell.com)** पर उपलब्ध है।
4. यहां लेखांकन नीतियों में कोयी परिवर्तन नहीं है, जिससे कि निवल लाभ/हानि, कुल व्यापक आय अथवा किसी भी अन्य प्रासंगिक वित्तीय मद(दों) पर प्रभाव पड़े।

ओरिएंट बेल लिमिटेड के निदेशक मंडल के लिये तथा उसकी ओर से
मधुर डागा
प्रबंध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 25 जुलाई 2023

ओरिएंट बेल लिमिटेड
सीआईएन : L14101UP1977PLC021546
पंजीकृत कार्यालय : 8, औद्योगिक क्षेत्र, सिकंदराबाद - 203205, जनपद बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश
निगमित कार्यालय : आइरिस भवन, 16 बिजनेस सेंटर, नांगल राय, नई दिल्ली - 110 046
+91-11-47119100 | investor@orientbell.com | www.orientbell.com

''इस पॉलिसी में निवेश पोर्टफोलियो में निवेश का जोखिम पॉलिसीधारक द्वारा वहन किया जायेगा''

सबसे पहले लाइफ इंश्योरेंस

एक बार बचाएं... और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करें

चुनने की आजादी:

- बचत धनराशि: आप कम से कम रु. 1 लाख या जीवन के बड़े लक्ष्यों के लिए उससे बड़ी कोई रकम निवेश कर सकते हैं।
- 4 फंड विकल्प: आप 4 फंड विकल्पों–बांड, सुरक्षित, संतुलित एवं वृद्धि में से कोई चुन सकते हैं।
- निःशुल्क फण्ड परिवर्तन: आप अपना धन वर्ष में चार बार निःशुल्क एक फंड से दूसरे फंड में परिवर्तित कर सकते हैं।
- आवश्यकता पर निकासी : 5 वर्ष उपरांत आप आंशिक निकासी कर सकते हैं।*
- जोखिम सुरक्षा विकल्प : प्रीमियम भुगतान का 1. 25 गुना अथवा 10 गुना जोखिम सुरक्षा चुनने का विकल्प।

पॉलिसी के लाभः

- गारंटीकृत लाभ: यूनिट फंड वैल्यू के साथ गारंटीकृत लाभ*
- पॉलिसी परिपक्वता: यूनिट फंड वैल्यू

पात्रता :

- प्रवेश की आयु: न्यूनतम आयु: 90 दिन अधिकतम आयु: 35 वर्ष / 70 वर्ष (चयनित जोखिम सुरक्षा के अनुसार)
- परिपक्वता आयु: न्यूनतम आयु: 18 वर्ष अधिकतम आयु: 50 वर्ष / 85 वर्ष (चयनित जोखिम सुरक्षा के अनुसार)
- पॉलिसी अवधि: 10 – 25 वर्ष

योजना सं: 849 UIN:512L317V01

यूनिट लिंक्ड, असहभागी, एकल प्रीमियम, व्यक्तिगत जीवन बीमा योजना

अधिक विवरण के लिए अपने अभिकर्ता/एलआईसी की नजदीकी शाखा से संपर्क करें

एसएमएस करें अपने शहर का नाम 56767474 पर

कॉल सेंटर सेवा (022) 6827 6827 | डाउनलोड करें एलआईसी मोबाइल एप "MyLIC"

विजिट करें www.licindia.in पर; हमें फॉलो करें LIC India Forever

करार के प्रथम पाँच वर्ष में यूनिट से संबद्ध बीमा पॉलिसियां समाप्त नहीं की जा सकती। पाँचवे वर्ष के अंत तक यूनिट से संबद्ध बीमा पॉलिसियों को पॉलिसीधारक न समर्पण कर सकता है और न ही उनमें निवेश किये गए धन को आंशिक या पूर्ण रूप से निकाल सकता है।

नियम व शर्तों की विस्तृत जानकारी के लिए बिक्री समापन से पूर्व बिक्री-पुस्तिका ध्यानपूर्वक पढ़ लें। * शर्तें लागू

भ्रामक/धोखाधड़ी वाले फोन कॉल्स से सावधान
आईआरडीएआई बीमा पॉलिसी विक्रय, बोनस की घोषणा अथवा प्रीमियम संबंधी गतिविधियों से संबंध नहीं रखता है। ऐसे फोन कॉल्स के प्राप्त होने पर आपसे निवेदन किया जाता है कि तुरन्त पुलिस से शिकायत दर्ज करवायें।

IRDAI Regn No.: 512

LIC भारतीय जीवन बीमा निगम LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हर पल आपके साथ

LIC/AR/19-20/39/HIN